Research Paper E-ISSN NO : 2455-295X | VOLUME : 10 | ISSUE : 8 | AUGUST 2024

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला :- प्रमुख चोटियो के संदर्भ मे एक अध्ययन

दुर्गेश पंवार [1]

[1] **सहायक आचार्य, भूगोल, सेठ फूलचन्द छीतरमल जैन महाविद्यालय, पीसांगन, अजमेर.**

ABSTRACT:

पर्वतमाला पहाड़ों की एक श्रृंखला होती है जहाँ एक पर्वत दूसरे से सटा रहता है। और इन पर्वतो को कोई दर्रा या घाटी ही दूसरे पर्वत से अलग करती है। अरावली भारत की भौगोलिक संरचना में सबसे प्राचीन श्रृंखला है जो करीब 570 मिलियन वर्ष प्राचीन है। भारत के राजस्थान, हरियाणा और गुजरात के साथ ही पाकिस्तान के पंजाब और सिंध में स्थित है। अरावली पर्वत श्रृंखला को क्षेत्रीय स्तर पर 'मेवात' भी कहा जाता है। अरावली गुजरात के पालनपुर से लेकर दिल्ली के रायसीना हिल्स तक 650 किलोमीटर में विस्तृत है जिसमें से 550 किलोमीटर राजस्थान में है।

KEYWORDS:

दक्षिणी, मध्यवर्ती, उत्तरी- पूर्वी अरावली।

PAPER ACCEPTED DATE:	PAPER PUBLISHED DATE:
5th August 2024	6th August 2024

विषय प्रवेश:-

अरावली पर्वत श्रृंखला गोडवाना लैंड का अपशिष्ट पर्वत है जिसकी अनुमानित आयु लगभग 570 मिलियन वर्ष है। यह विश्व की प्राचीन वलित पर्वतमाला है। यह पर्वत श्रृंखला दक्षिण पश्चिम से उत्तर पूर्व की ओर है। इस पर्वत श्रृंखला की चौड़ाई व ऊंचाई दक्षिण-पश्चिम में अधिक है। जो धीरे-धीरे उत्तर-पूर्व मे कम होती जाती है। यह दक्षिण पश्चिम में गुजरात के पालनपुर से प्रारम्भ होकर उत्तर-पूर्व में दिल्ली तर लम्बी है। जबकि राजस्थान में यह श्रृंखला खेड़ब्रह्म (सिरोही) से खेतड़ी (नीम का थाना) तक 550 कि.मी. लम्बी है जो कुल श्रृंखला का 80 प्रतिशत है। अरावली पर्वत श्रृंखला राजस्थान को दो असमान भागों में बांटती है। अरावली पर्वतीय प्रदेश का विस्तार राज्य के सात जिलों - सिरोही, उदयपुर, राजसमंद, अजमेर, जयपुर, दौसा और अलवर में है। अरावली पर्वतमाला की औसत ऊंचाई समुद्र तल से 930 मीटर है। राज्य के कुल क्षेत्रफल का 9.3 प्रतिशत इसका भाग है। इस हक्षेत्र में राज्य की 10 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। अरावली पर्वतमाला की ऊंचाई के आधार पर तीन प्रमुख उप प्रदेशों में विभक्त किया गया है -1: दक्षिण अरावली प्रदेश 2. मध्यवर्ती अरावली प्रदेश 3. उत्तरी-पूर्वी अरावली प्रदेश।

दक्षिणी अरावली प्रदेशः के अन्तर्गत सिरोही, उदयपुर और राजसमंद जिले सम्मलित है। यह प्रदेश पूर्णत: पर्वतीय प्रदेश है, जहां अरावली की श्रेणियां अत्यधिक सघनता एवं उच्चता लिए हुए है। इस प्रदेश में अरावली पर्वत माल के अनेक उच्चशिखर स्थित है। यह पूर्व दिशा में बहने वाली नदियों का उद्गम स्थल भी है। दक्षिणी स्कंध अरब सागर व बंगाल की खाड़ी के इसकी कुल जल प्रवाह के बीच जल विभाजक का काम करता है। इसके पठार की औसत ऊंचाई 1225 मीटर है, कुछ चोटियों की ऊंचाई 1300 मीटर तक हैं हालांकि आबू पर्वत खंड अरावली का श्रेष्ठतम भाग है, जो समुद्र तल से करीब 1200 मीटर से भी अधिक ऊंचा है। इसका सम्पूर्ण भाग ग्रेनाईट से निर्मित है। आबू गुरुशिविर (1722 मीटर) की मुख्य चोटी के नीचे है। यह सबसे ऊंची चोटी भी कहलाती है। दक्षिणी अरावली की पमुख चोटियों में सिरोही में स्थित गुरुशिखर, देलवाड़ा और आबू वहीं राजसमंद में स्थित कुंभलगढ मुख्य है।

यहां की अन्य प्रमुख उच्च पर्वत चोटियाँ -

गुरु शिखर 1722 मीटर

सेर 1597 मीटर

देलवाड़ा 1442 मीटर

अचलगढ़ 1380 मीटर

आबू 1295 मीटर

ऋषिकेश 1017 मीटर

सायरा 900 मीटर

नागपानी 867 मीटर

गोगुन्दा 840 मीटर

उदयपुर - राजसमंद क्षैत्र के उच्च पर्वत शिखर -

जरगा पर्वत 1431 मीटर

कुम्भलगढ 1224 मीटर

लीलागढ़ 874 मीटर

कमलनाथ की पहाड़ियां 1001 मीटर

सज्जनगढ 938 मीटर

उदयपुर के उत्तर- पश्चिम में कुम्भलगढ़ और गोगुन्दा के बीच का पठारी क्षेत्र भोराट का पठार के नाम से जाना जाता है। राजस्थान में अरावली की सर्वाधिक ऊंची चोटियां सिरोही जिले में है, जबकि राजस्थान में अरावली की सर्वाधिक चोटियां उदयपुर जिले में है। दक्षिण अरावली के पश्चिम में जसवंतपुरा की पहाड़ियों के पश्चिम में रानीवाड़ा की उच्च भूमि जालोर में स्थित है। रानीवाडा की उच्च भूमि वृक्ष विहीन भूमि है। जसवंतपुरा की पहाड़ियों की सबसे ऊंची चोटी डोरा पर्वत है। जालोर पर्वत की सबसे ऊंची चोटी इसराना भाकर है। जालोर पर्वत सिवाना के पास स्थित है जिसे स्थानीय भाषा में छप्पन का भाकर भी कहते है। इन्ही पर्वतमाला पर हल्देश्वर तीर्थस्थल है।

दक्षिण अरावली के प्रमुख दर्रे -

सरुप घाट - पाली

देसुरी दर्रा - पाली

सोभेश्वर दर्रा - पाली

कामली घाट - राजसमंद

गोरम घाट - राजसमंद

हाथीगुढ़ा - राजसमंद

केवड़ा की नाल - उदयपुर

देबारी दर्रा - उदयपुर

हाथी दर्रा - उदयपुर

फुलवारी की नाल - उदयपुर

जीलवा/पगल्या नाल - उदयपुर

मध्य अरावली प्रदेश:-

यह भाग राजस्थान के मध्य भाग में स्थित है। यह भाग पूर्वी अरावली की तुलना में कम ऊंचा है। इस भाग की औसत ऊंचाई 500 मीटर से 1000 मीटर के बीच है। इसमें भी कई महत्वपूर्ण पहाड़ियां और चोटियां है। यह मुख्यतः अजमेर जिले में फैला हुआ है। इस क्षैत्र मे पर्वत श्रेणियों के साथ संकीर्ण घाटिया और समतल स्थल भी है। अजमेर के दक्षिण पश्चिम भाग में तारागढ़ 870 मीटर, और पश्चिम में सर्पिलाकार पर्वत श्रेणियां नाग पहाड़ 195 मीटर कहलाती है। ब्यावर जिले में अरावली श्रेणियों के चार दर्रे स्थित है जिनके नाम है-बर, पाखरियां और शिवपुरा घाट घाट, सूरा घाट दर्रा और देबारी। मध्य अरावली पर्वत श्रेणी को दो भागों में विभाजित किया गया है- (अ) शेखावाटी निम्न पहाड़ी प्रदेश (ब) मेरवाड़ा पहाड़ी प्रदेश।

शेखावाटी निम्न पहाड़ी प्रदेश की सबसे लम्बी पर्वत श्रेणी है जो सांभर झील से प्रारंभ होकर झुन्झुनु जिले में सिंहाना तक जाती है। इनके अतिरिक्त यहां कई छोटी छोटी पहाड़ियां है जिनमें नाहरगढ़, पुराना घाट, आड़ाडूंगर, तोरावाटी राहोड़ी आदि है। इस प्रदेश की औसत ऊंचाई 400 मीटर है। मेरवाड़ा पहाडी प्रदेश पर्वत श्रेणी मारवाड़ के मैदान को मेवाड़ के उच्च पठार से अलग करती है तथा यह अजमेर के निकट प्रकट होती है। अजमेर मे स्थित तारागढ़ 870 मीटर इस प्रदेश का प्रमुख पर्वत है। इसके पश्चिम में नाग पहाड़ है, इस प्रदेश की औसत ऊंचाई 550 मीटर है। मेरवाड़ा पहाड़ी प्रदेश में ही अरावली श्रेणी के चार दर्रे - बर, पाखरिया और शिवपुरा घाटा, सूरा घाट दर्रा और देबारी स्थित है।

मध्य अरावली की प्रमुख चोटियां -

1. गोरमजी - अजमेर 934 मीटर
2. मोरियाजी - टॉडगढ़ 1933 मीटर
3. तारागढ़ - अजमेर 873 मीटर
4. नागपहाड़ - अजमेर 795 मीटर
5. बर दर्रा - पाली मारवाड़ तथा मेरवाड़ा को जोड़ता है।
6. अरनिया - अजमेर
7 सुराघाट - अजमेर
8. पीपली - अजमेर
9. पखेरिया - अजमेर
10. शिवपुरी – अजमेर

उत्तर - पूर्वी अरावली प्रदेश:-

यह क्षेत्र अलवर, जयपुर, सीकर जिले का नीम का थाना एवं श्रीमाधोपुर तक तथा झुन्झुनु जिले के खेतड़ी तक फैला हुआ है। इस क्षेत्र की अरावली की पर्वतमालाएं बिना निरंतर बने दूर-दूर तक विस्तृत हो जाती है। उत्तरी अरावली की औसत ऊंचाई 450 मीटर है।

उत्तरी अरावली की प्रमुख चोटियां -

1. रघुनाथगढ़ (सीकर) - 1055 मीटर (राजस्थान में उत्तरी अरावली की सर्वाधिक ऊंची चोटी)
2. खोह (जयपुर) - 920 मीटर
3. भरौच (अलवर) - 792 मीटर
4. बरवाड़ा (जयपुर) - 786 मीटर
5. बबाई (झुन्झुनु) - 780 मीटर
6. बिलाली (अलवर) - 775 मीटर
7. बैराठ (जयपुर) - 704 मीटर
8. भानगढ़ (अलवर) 649 मीटर
9. जयगढ (जयपुर) - 648 मीटर
10. नाहरगढ़ (जयपुर) - 599 मीटर

महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उत्तरी अरावली में कोई दर्रा नहीं है।

सारांश:-

अरावली पर्वतमाला विश्व की अति प्राचीन वलित पर्वतमाला है। अरावली पर्वतमाला कई नदियों का उद्गम स्थल है, जिसके परिणामस्वरूप प्रागैतिहासिक काल से ही स्थायी अर्थव्यवस्था के साथ मानव बस्तियों का विकास हुआ है। अरावली पर्वतमाला प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है और पश्चिमी रेगिस्तान के विकास की रोकने का काम करती है। अरावली पर्वतमाला की सबसे ऊंची चोटी गुरु शिखर है जिसकी ऊंचाई 1722 मीटर अर्थात् 5650 फीट है। गुरु शिविर को कर्नल टॉड ने संतो के शिखर का नाम दिया है। राजस्थान में अरावली की सर्वाधिक ऊंची चोटियां सिरोही जिले में है जबकि राजस्थान में अरावली की सर्वाधिक चोटियां उदयपुर जिले में है। दक्षिणी अरावली में सर्वाधिक दर्रे पाये गये है।

REFERENCES

1. माजिद हुसैन - भौतिक भूगोल
2. सविन्द्र सिंह - भौतिक भूगोल
3. डॉ. चतुर्भज मामोरिया – भूगोल
4. डॉ. गीता – भूगोल
5. डी. आर. खुल्लर - भौतिक, मानव और आर्थिक भूगोल